एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

डॉ. राहुल पाण्डेय
सहायक आचार्य
हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ

छायावाद को सूयकान्त त्रिपाठी 'निराला' की देन

सूयकान्त त्रिपाठी निराला अपने प्रखर व्यक्तित्व और ओजपूण लेखनी को लेकर हिन्दी साहित्य के क्षेत्र म अवतरित हुए|

निराला को सामाजिक एवं साहित्यिक क्षेत्र म किसी प्रकार के रूढ़िगत बंधन स्वीकार नहीं थे| इसलिए किसी वाद विशेष के साथ बंधकर चलना उनकी प्रकृति के प्रतिकूल था|

निराला की काव्य परिधि को किसी काव्य सीमा म बांधना अत्यंत दुष्कर है, किन्तु छायावाद को उनके योगदान पर निम्नलिखित बिन्दुओं के अंतगत विचार कर सकते ह:

१ सुख-दुखपरक आत्माभिव्यक्ति छायावादी काव्य की एक प्रमुख विशेषता है| 'प्रिया से' और 'प्रिय के प्रति' आदि कविताओं म निराला के हर्षादि्वेग की मार्मिक अभिव्यक्ति हुई है| अन्य छायावादी कवियों के सदृश निराला म वेदना मिश्रित निराशा की झलक उपलब्द्ध होती है-

□□□ □ी □□□□ □ी □□□ □□ी
क□□ □□□आज जो नहीं कही

□ □□□□□□ी □□□□□ी □□□□-□□□त□□ आत्माभिव्यक्ति के लिए गीतिकाव्य का आश्रय ि□□□| कवि निरा□□ ने भी शास्त्रीय संगीत का आश्रय लिया तथा अपनी प्रतिभा द्वारा □□□ □□□ आवश्यक हेरफेर करके नवीन गीतों की भी □□ष्टि □ी|

- छायावादी काव्य पर भारतीय सर्वात्मवाद तथा अद्वैत का प्रभाव स्पष्ट लक्षित होता □| इन कवियों की अंतर्मुखी प्रवृत्ति के कारण रहस्यवादी कविता का जन्म हुआ| □□□□□ □□ □□ □□□□ष्□ □□□□□, स□□□□ □□□□□□□, □□□न्द्रनाथ ठाकुर आदि का □□□ष्□ प्र□□□ □□□ □□□□□ परिणामस्वरूप उन्होंने रहस्यवादी कविताओं का सृजन □□□| निराला जी की दार्शनिकता, □□द्धि□□□ और कवित्त्व शक्ति का अपू□ □□□न्□स□ □□□□ '□□ □□ □' कविता म उपलब्ध होता है| इसम जीव और ब्रह्म की तात्त्विक अभिन्नता सिद्ध करने का प्रयास है| छायावादी काव्य म सैद्धांतिक रहस्यवाद की ऐसी मुखर एवं सफल प्रतिष्ठा अत्यंत दुर्लभ है|
- प्र□ि□ □□□□□□□ कवियों का एक मुख्य वर्ण्य विषय है □□□□□□□ □□-□□□ □ी □ि□□□ □| □□□□□ □□प्र□ि□ □□ □□□□करण करके अनेक भव्य चित्र उपस्थित किये □| □न्□ि□□'प्र□□□ □□ प्रि□' □□ '□□□□ □□□' कविताओं म प्राकृतिक पदार्थों पर □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □| '□□ी □ी □ली' □ प्र□ि□ □□□□□□□□□□ □□ □त्□□ प्रभावशाली निदर्शन है-

> □□□□-□□-□ल्□□ी □□
>
> □□□□ □□ □□□□ □□ी
>
> स□□-स□ष्□-□ग□-□□□-□□□□-□□□□रु□□
>
> □□ी □ी □□ी
>
> दृग बंद कि□,□शिथिल पत्रांक म

□□ कविता निराला का सफल अभिनव प्र□□□ □|□□□□ □□□, भाषा और छंद तीनों की स्वतंत्रता दर्शनीय है| □□ □□□□ स□च्□□ छंद की प्रथम कविता है| □ि□□□ □□□□□□□ □□□ □ □□□□□ □□ □ि□□□□ □ सभी इस प्रकार की ह| □□□□□ □ी □□□□□□□ □□ □□ी स□च्□□ □□ □|वर्तमान भारतीय काव्य ने निराला के ही मुक्त छंद का आश्रय

लेकर अपनी प्रगति का माग प्र□स□ ि□□□ □|□ □ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ि□□□ □|

- ि□□□□ □□ □□नूतन सामासिक शब्दावली द्वारा □□□ □□□ □□□ण□□ □□ □□द्ध ि□□□| उनकी भाषा म गूढ़ से गूढ़ भावों एवं विचारों को अभिव्यक्त करने की पूण क्ष□□□ □|□उनकी भाषा की चित्रात□□□□ □□□संगीतात्मकता भी उच्च कोटि की □|□
- निराला की कविता म रू□□, □□□□, □त्प्रेक्षा आदि अलंकारों के अतिरिक्त अंग्रे□□ □□ □□□□□□□□, ि□□□□ ि□□□□ आदि अलंकार भी प्रचुर □ख□□ म उपलब्ध ह|

क्रांतिकारी निराला ने भाव, □□□□, छंद आदि सभी क्षेत्रों म क्रा□न्□ □□□स□□ □ी □|□ □□व□ की परम्परागत रूढ़ियों और नूतन-पुरातन बंधनों पर निराला के प्रहारों ने □□□□ खेमे के साहित्य सेवियों □□ अत्यधिक विचलित किया| ि□□□□ □□□□□□ि□□□ □□ डटकर सामना किया और छायावादी काव्य को नवीन दिशा दी| □ि□ □□□□□ □□ □□व□ □ी □□ □□□□□ □□□□□□ी □□व□ की विशेषता है|

□□. □□□□ □□ण□□